सोनोहिस्टेरोग्राफी
Sonohysterography

सोनोहिस्टेरोग्राफी क्या है?

यह एक विशेष प्रकार की अल्ट्रासाउंड परीक्षा है जहां गर्भाशय के भीतर सेलाइन इंजेक्ट किया जाता है ताकि गुहा के अंदरूनी हिस्से की रूपरेखा तैयार की जा सके और बीमारी पता लगाया जा सके।

मुझे यह पर जॉच क्यों कराना चाहिए?

सोनोहिस्टेरोग्राफी के द्वारा पॉलीप्स और सबम्यूकोसल लेयोमायोमा/फाइब्रॉएड का पता लगाया जा सकता है, जो असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव (एयूबी) के सामान्य कारण हैं।

इन सौम्य गर्भाशय घावों को शल्य चिकित्सा द्वारा हटाया जा सकता है।

सोनोहिस्टेरोग्राफी कैसे की जाती है?

यह परीक्षा एक अन्दरूनी अल्ट्रासाउंड जांच के साथ की जाती है और कुछ मिनटों तक चलती है। यह पैप स्मीयर की तरह शुरू होता है .योनि और गर्भाशय ग्रीवा को एंटीसेप्टिक घोल से साफ किया जाता है। अंत में एक गुब्बारे के साथ एक छोटी ट्यूब को ग्रीवा में रखा जाता है जिसके माध्यम से तरल पदार्थ धीरे-धीरे गर्भाशय में डाला जाता है। गर्भाशय एक तरल पदार्थ से भर जाता है और गर्भाशय के भीतर किसी भी असामान्य वृद्धि जैसे पॉलीप्स या फाइब्रॉएड को देखा जा सकता है.

मुझे यह जॉच कब करवाना चाहिए?

यह परीक्षा आमतौर पर मासिक धर्म चक्र के पहले चरण में, ओव्यूलेशन होने से पहले की जाती है।

क्या इस जॉच में दर्द हो सकता है?

यह आमतौर पर एक दर्द रहित परीक्षा होती है, हालांकि गर्भाशय में सेलाइन डालने के दौरान यह कुछ हल्की असुविधा पैदा कर सकती है।

मुझे जॉच के नतीजों से क्या उम्मीद करनी चाहिए?

यह परीक्षा आमतौर पर पारंपरिक ट्रांसवेजिनल अल्ट्रासाउंड की एक पूरक विधि है।

यदि आपको पॉलीप या सबम्यूकोसल लेयोमायोमा है, तो यह जॉच बेहतर मूल्यांकन (घाव की संख्या, आकार और स्थान) की अनुमति देगी और यदि पालिप या अन्य ट्यूमर को हटाने की सलाह दी जाती है तो सर्जरी की योजना बनाने में मदद करेगी।

जॉच सामान्य भी हो सकती है, जिसका अर्थ है कि असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव के आपके लक्षण के अन्य कारणों की तलाश की जानी चाहिए।